

भारत-ASEAN संबंधों पर 10 सूत्री योजना

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री ने लाओस के वियनतयिने में [21वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन 2024](#) में 10 सूत्री योजना की घोषणा की।

- उन्होंने 44वें आसियान शिखर सम्मेलन (जसिका वषिय था **ASEAN: कनेक्टिविटी और लचीलापन बढ़ाना**) तथा 19वें पूरवी एशिया शिखर सम्मेलन में भी भाग लिया।
- वर्ष 2024 में भारत की एकट ईस्ट नीति (जसिकी घोषणा वर्ष 2014 में हदि-परशांत क्षेत्र पर व्यापार, सुरक्षा और कनेक्टिविटी के संदर्भ में भारत-आसियान संबंधों को मज़बूत करने के लिये की गई थी) के 10 वर्ष भी पूरे हुए हैं।

21वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन 2024 के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- आसियान और भारत अवलोकन: आसियान और भारत की संयुक्त रूप से विश्व के [सकल घरेलू उत्पाद](#) में 7% तथा वैश्विक जनसंख्या में 26% की हसिसेदारी है।
- उभरती प्रौद्योगिकियाँ: भारत और आसियान ने [आर्टफिशियल इंटेलिजेंस \(AI\)](#), [ब्लॉकचेन](#), [इंटरनेट ऑफ थिंग्स \(IoT\)](#), [रोबोटिक्स](#), [क्वांटम कंप्यूटिंग](#) और [6-G तकनीक](#) पर सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की।
- डिजिटल परिवर्तन: उन्होंने [डिजिटल बुनियादी ढाँचे](#), [फनिटेक](#) और [साइबर सुरक्षा](#) को कवर करते हुए डिजिटल परिवर्तन को आगे बढ़ाने पर संयुक्त प्रस्ताव रखा।
 - भारत, आधार और [UPI](#) जैसे डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे में अपनी विशेषज्ञता [आसियान देशों](#) के साथ साझा करेगा।
- आसियान-भारत व्यापार वृद्धि: पछिले दस वर्षों में भारत-आसियान व्यापार दोगुना होकर 130 बलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है।
 - हालाँकि, आसियान के साथ भारत का व्यापार घाटा वतित वर्ष 2013 के 8 बलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में वतित वर्ष 2023 में बढ़कर 44 बलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है।
 - भारत, आसियान का [छठा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार](#) है और आसियान वार्ता साझेदारों में [FDI](#) का आठवाँ सबसे बड़ा स्रोत है।
- स्थानीय मुद्रा में व्यापार: कुछ आसियान देशों और भारत ने स्थानीय मुद्राओं में व्यापार करना शुरू कर दिया है, जसिमें मलेशिया अग्रणी है तथा अन्य आसियान देशों से भी इसका अनुसरण करने की उम्मीद है।
- नविश प्रवाह: भारत और आसियान की [वैश्विक मूल्य शृंखला \(GVC\)](#) में वृद्धि हुई, जसिमें वर्ष 2000 से 2023 तक कुल नविश 125 बलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है।
- वतित्तीय एकीकरण: जून 2024 में [भारतीय रज़िर्व बैंक](#) अधिकारिक तौर पर आसियान के साथ [प्रोजेक्ट नेक्सस](#) में शामिल हो गया, जो भारत के यूपीआई और सगिपुर की पेनाउ प्रणाली के बीच वास्तविक समय में सीमा पार लेनदेन को सक्रम बनाता है।
- क्षेत्रीय सुरक्षा: दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिये आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की, जो [भारत-प्रशांत पर आसियान दृष्टिकोण \(AOIP\)](#) के अनुरूप है और भारत की एकट ईस्ट नीति (AEP) द्वारा समर्थित है।
- दक्षिण चीन सागर के लिये आचार संहिता: दोनों ने [दक्षिण चीन सागर](#) में पक्षों के आचरण पर घोषणा (DOC) के पूरण कार्यान्वयन का समर्थन किया और [UNCLOS](#) वर्ष 1982 के अनुरूप एक प्रभावी आचार संहिता (COC) का आह्वान किया।
- रक्षा और सुरक्षा सहयोग: दोनों देश संयुक्त सैन्य अभ्यास और नौसैनिक बंदरगाहों पर कॉल के माध्यम से समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी, साइबर सुरक्षा आदि सुनिश्चित करने पर सहमत हुए। उदाहरण के लिये [आसियान भारत समुद्री अभ्यास](#)।

नोट: भारत के प्रधानमंत्री ने वर्ष 2023 में भारत-आसियान आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिये जकार्ता में 12-सूत्री एजेंडे की घोषणा की, जसिमें इस साझेदारी के लिये भारत की सुदृढ़ प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया।

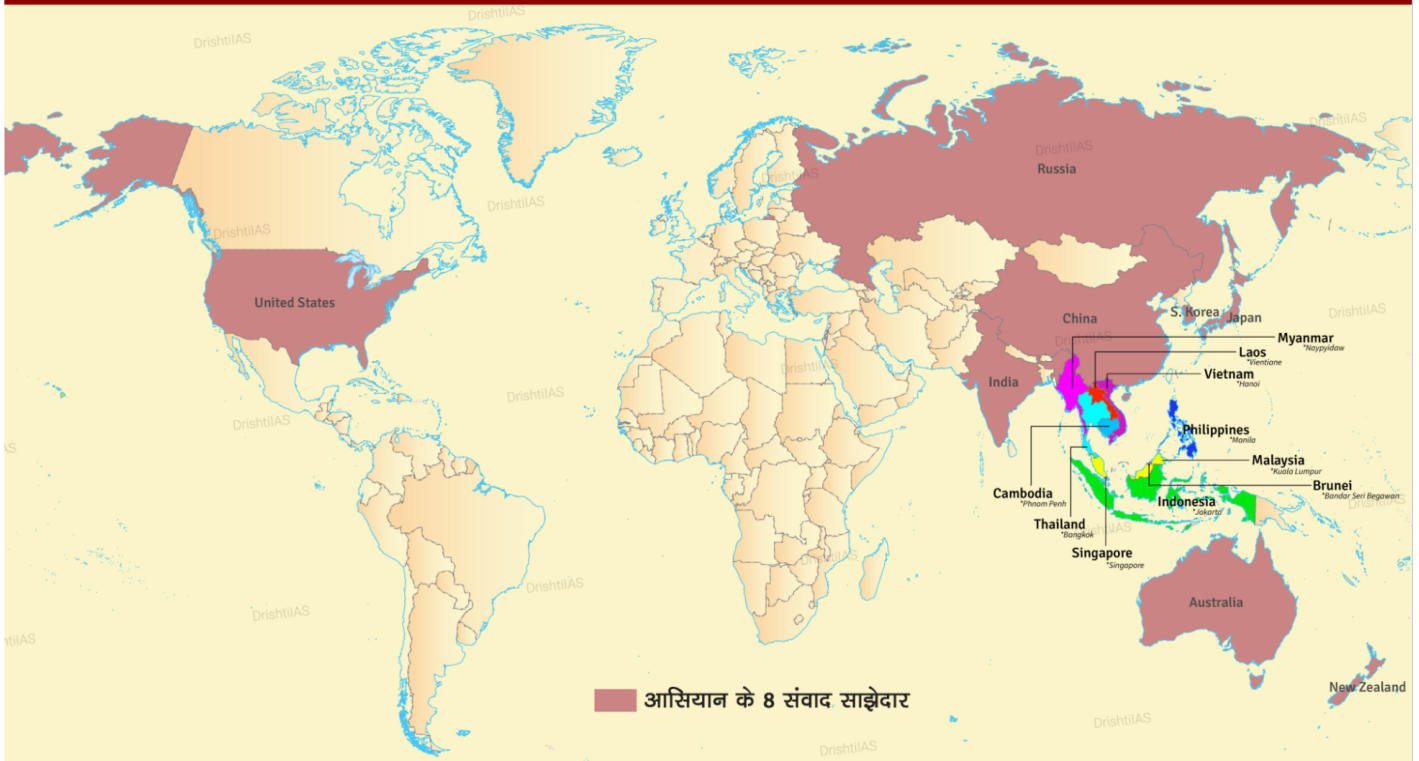
आसियान सहयोग के लिये भारत की 10 सूत्री योजना क्या है?

- आसियान-भारत पर्यटन वर्ष 2025: भारत संयुक्त पर्यटन गतिविधियों के लिये 5 मिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान देगा।
- एकट ईस्ट नीति के एक दशक का योगदान: युवा शिखर सम्मेलन, स्टार्ट-अप महोत्सव, हैकार्थॉन, संगीत महोत्सव और थिक टैंक पहल जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।
- महिला वैज्ञानिक सम्मेलन: महिला वैज्ञानिकों के लिये एक सम्मेलन के माध्यम से आसियान-भारत वजिज्ञान सहयोग।
- शैक्षिक छात्रवृत्तियाँ: [नालंदा विश्वविद्यालय की](#) छात्रवृत्तियों को दोगुना करना तथा भारतीय कृषि विश्वविद्यालयों में आसियान छात्रों के लिये नई छात्रवृत्तियाँ प्रदान करना।
- व्यापार समझौते की समीक्षा: आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते की वर्ष 2025 तक समीक्षा की जाएगी।
- आपदा में लचीलापन: भारत आसियान की आपदा में लचीलेपन को मजबूत करने के लिये 5 मिलियन अमेरिकी डॉलर प्रदान करेगा।
- स्वास्थ्य मंत्रियों का ट्रैक: स्वास्थ्य को लचीलापन बनाने के लिये आसियान और भारतीय स्वास्थ्य मंत्रियों के बीच नियमित संवाद।
- साइबर नीति वार्ता: डिजिटल और साइबर संबंधी लचीलेपन के लिये आसियान-भारत वार्ता की स्थापना।
- हरति हाइड्रोजन कार्यशाला: [हरति हाइड्रोजन](#) कार्यशाला के माध्यम से आसियान के ऊर्जा परिवर्तन को समर्थन प्रदान करना।
- जलवायु लचीलापन पहल: आसियान नेताओं को भारत के " [माँ के लिये एक पेड़ लगाओ](#)" अभियान में शामिल होने के लिये आमंत्रित किया गया।



आसियान

दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन



स्थापना: आसियान घोषणा (बैंकॉक घोषणा) (1967) पर हस्ताक्षर द्वारा
संस्थापक सदस्य: इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड
सचिवालय: इंडोनेशिया, जकार्ता
अध्यक्षता: वार्षिक रूप से बदलती रहती है
आसियान शिखर सम्मेलन: वर्ष में दो बार आयोजित
आसियान (ASEAN) अर्थव्यवस्था:

- संयुक्त GDP: ~3.66 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (2022)
- कुल निर्यात: 1.73 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (वर्ष 2021 में वैश्विक निर्यात का 8.24%)
- प्रमुख निर्यात मर्दे: मोनोलिथिक इंटीग्रेटेड सर्किट, पाम ऑयल, डेटा प्रोसेसिंग उपकरण

ADMM+बैठक: आसियान और उसके 8 संवाद साझेदारों (भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, रूस और न्यूजीलैंड) के लिये मंच
 ○ पहली बार आयोजन: हनोई, वियतनाम (2010)

